VENUS WORLD SCHOOLS

Academic Session - 2021 -2022

(SA 1)

कक्षा- दसवीं | समय-- 1 घंटा 30 मिनट

विषय- हिंदी | अंक- 40

सामान्य निर्देश:-

1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2. **सभी प्रश्नों का क्रमानुसार उत्तर लिखिए।**
3. **इस प्रश्न पत्र में 2 खंड है :- अ और ब।**

खंड- अ

(अपठित गद्यांश)

प्रश्न संख्या (1) निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनें-।
अंक 5 (1*5)

- **बिहार की लोक विभूतियों में सर्वश्रेष्ठ, भगवान बुद्ध को ज्ञान मिला था कि वीणा के तारों को इतना मत कसो कि वह टूट जाए और इतना ढीला भी मत कर दो की उससे संगीत ही न निकले। इससे इतना तो प्रमाणित हो जाता है कि बुद्ध के काल का बिहार वीणा के मर्म से पूरी तरह परिचित था। चाणक्य ने गायन तथा नृत्य में प्रवीण गणिकाओं के राज्य द्वारा संरक्षण का विधान अपने अर्थशास्त्र में किया है। प्रमाण मिलते हैं कि सम्राट समुद्रगुप्त वीणा बजाने में इतने प्रवीण थे कि विशेषज्ञ उन्हें "संगीत मार्तंड 'कहा करते थे।**
  कबीरदास, सूरदास और तुलसीदास के पदों के साथ विभिन्न रागों का निर्देश भी मिलता है। मिथिला के राजा हरिसिंह देव के दरबारी आश्चर्य ज्योतिरीश्वर ठाकुर के ग्रंथ ' वर्णरत्नाकर' में संगीत शास्त्र का विस्तार से उल्लेख मिलता है।

  प्रश्न

  1. **इनमें से किस काल में बिहार ' वीणा के मर्म' मैं परिचित हो चुका था?**
     क) आदिकाल में
     ख) पाषाण काल में
     ग) पुरापाषाण काल में
     घ) बुद्ध के काल में
  2. **गद्यांश में चाणक्य के किस ग्रंथ का उल्लेख किया गया है?**
     क) समाजशास्त्र का
     ख) अर्थशास्त्र का
     ग) नागरिक शास्त्र का
     घ) राजनीति शास्त्र का
  3. **समुद्रगुप्त निम्नलिखित में से कौन सा वाद्य यंत्र बजाने में निपुण था?**
     क) सितार
     ख) सारंगी
     ग) गिटार
     घ) वीणा
  4. **'वर्णरत्नाकर' ग्रंथ में किसका विस्तृत उल्लेख मिलता है?**
     क) संगीत शास्त्र का
     ख) तर्कशास्त्र का
     ग) ज्योतिष शास्त्र का
     घ) खगोल शास्त्र का
  5. **'प्रवीण' शब्द का समानार्थी है-**
     क) प्रदीप
     ख) अकुशल
     ग) निपुण
     घ) वीना बजाने वाला

अथवा

" मनुष्य एक ऐसा प्राणी है जो विवेकशील है। वह केवल वर्तमान कि नहीं सोचता, बल्कि भविष्य के बारे में भी विचार कर सकता है। उसमें उचित और अनुचित का ज्ञान करने वाली बुद्धि है। बुद्धि के दो पक्ष है- सुबुद्धि और दुर्बुद्धि। सुबुद्धि सुमति का प्रायर है और दुर्बुद्धि कुमति का। जब मनुष्य में सुमति रहती है तो वह अच्छे कार्यों में लगता है और इसी से उसे अच्छे बुरे का विवेक भी होता है। जब वह सुमति से हटकर कुमति से प्रभावित होकर काम करता है तब उससे कठिनाइयों, विपत्तियों आदि का सामना करना पड़ता है। सुमति से संपत्ति, सुख आदि की प्राप्ति होती है और कुमति से अहंकार, घमंड, क्रोध आदि दुर्गुणों का विकास होता है, जो आगे चलकर व्यक्ति को कठिनाइयों और उलझन में फंसाता है। नम्रता पूर्वक आचरण करना, बड़ों का आदर करना, उदार बनाना सुमति के लक्षण है।

प्रश्न-

1. मनुष्य और अन्य प्राणियों में प्रमुख अंतर क्या है?
   - क) पशु सोचते हैं, मनुष्य नहीं
   - ख) मनुष्य उचित अनुचित सोचता हैं, जबकि पशु नहीं
   - ग) पशु अनुचित समझ जाता है, मनुष्य नहीं
   - घ) पशु उचित सोचते हैं, मनुष्य नहीं
2. मनुष्य अच्छे कार्य कब करता है?
   - क) जब वह सुबुद्धि में होता है
   - ख) जब वह दुर्बुद्धि में होता है
   - ग) जब वह कुमति में होता है
   - घ) जब वह अविवेकपूर्ण स्थिति में होता है
3. मनुष्य को कठिनाइयों तथा विपत्तियों का सामना क्यों करना पड़ता है?
   - क) कुमति से हटकर काम करने के कारण
   - ख) सुमति से काम करने के कारण
   - ग) सुमति से हटकर काम करने के कारण
   - घ) इनमें से कोई नहीं
4. सुबुद्धि के लक्षण क्या है?
   - क) विनम्रता पूर्ण व्यवहार करना
   - ख) बड़ों का सम्मान करना
   - ग) उदारता पूर्वक व्यवहार करना
   - घ) उपर्युक्त सभी
5. अहंकार, घमंड, क्रोध आदि को दुर्गुण क्यों कहा गया है?
   - क) सुमति से पैदा होने के कारण
   - ख) मनुष्य को संपत्ति देने के कारण
   - ग) व्यक्ति की कठिनाइयां बढ़ाने के कारण
   - घ) व्यक्ति की विपत्तियां हरने के कारण

प्रश्न संख्या (2) निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर सही विकल्प चुनिए- अंक 5 (1*5)

"पथ भूल न जाना पथिक कहीं।

पथ में कांटे तो होंगे ही,

दुर्वादल- सरिता , सर होंगे।

सुंदर गिरि- वन- वापी होंगी,

सुंदर-सुंदर निर्झर होंगे।

सुंदरता की मृगतृष्णा में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।
जब कठिन कर्म- पगडंडी पर,
राही का मन उन्मुख होगा।
जब सपने सब मिट जाएंगे,
कर्तव्य मार्ग सन्मुख होगा।
तब अपनी प्रथम विफलता में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।
अपने भी विमुख ,पराए बन
आंखों के सम्मुख आएंगे।
पग-पग पर घोर निराशा के
काले बादल छा जाएंगे।
तब अपने एकाकीपन में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।

1.कवि राही से क्या कहना चाहता है?

क) मृग की सुंदरता के कारण

ख) सरिता पर विश्राम करने के लिए

ग) रास्ता भूले बिना निरंतर चलने के लिए

घ) अपने परायो को पहचानने के लिए

2. कवि ने सुंदरता को मृगतृष्णा क्यों कहा है?

क) मृग की सुंदरता के कारण

ख) मृग सुंदरता का प्रतीक है

ग) मृगतृष्णा पथिक को सुंदर लगती है

घ) पथिक सुंदरता में भटक कर लक्ष्य भूल जाता है।

3. कर्तव्य की राह कब दिखाई देगी?

क) प्रथम विफलता मिलने पर

ख) प्रथम विफलता से घबराने पर

ग) जीवन में सुख का मार्ग अपनाने पर

घ) जीवन की राह में चलकर कठोर कर्मों की पगडंडी पर ध्यान देने पर।

4. पथिक के मार्ग में क्या-क्या कठिनाइयां आ सकती है?

क) अपने पराए बन सकते हैं

ख) कदम कदम पर निराशा मिल सकती है

ग) मार्ग में वह अकेला पड़ सकता है

घ) उपर्युक्त सभी

5. 'सर' शब्द किसका पर्यायवाची है?

क) सरिता का। ख) तालाब का

ग) सागर का। घ) झील का

अथवा

*क्या पूजा क्या अर्चन रे!

उस असीम का सुंदर मंदिर मेरा लघुतम जीवन रे !

मेरी श्वासें करती रहती नित प्रिय का अभिनंदन रे !

पदरज को धोने उमड़े आते लोचन में जलकण रे !

अक्षत पुलकित रोम, मधुर मेरी पीड़ा का चंदन रे !

स्नेह भरा जलता है झिलमिल मेरा यह दीपक-मन रे !

मेरे दृग के तारक में नव उत्पल का उन्मीलन रे !

धूप बने उड़ते जाते हैं प्रतिपल मेरे स्पंदन रे !

प्रिय-प्रिये जपते अधर , ताल देता पलकों का नर्तन रे !

प्रश्न

(१)मेरी श्वासें करती रहती नित प्रिय का अभिनंदन रे ! यहां कवयित्री किसका अभिनंदन करती हैं ?

(क) अपने प्रिय असीम ईश्वर का
(ख) अपने प्रिय पति का, जिन्हें ईश्वर का प्रतिरूप मानती है।
(ग) साहित्य - जगत से जुड़े कवि वृंद का
(घ) अपने आराध्य कृष्ण का

(२) पदरज को धोने के लिए कवयित्री उस जल का उपयोग करती है जो स्वयं ही----

(क) नेत्र अश्रु रूप में उमड़ पड़ा है।
(ख) हृदय- सागर से जल उमड़ पड़ा है।
(ग)। भावनाओं का गंगाजल उमड़ पड़ा है।
(घ) पूजा आदि में प्रयोग किए जाने वाला जन उमड़ पड़ा है।

(३)कवयित्री का अपने प्रिय की पूजा-अर्चना के लिए मंदिर कहां है?

(क) जहां नित्य दीपक जलता रहता है ।

(ख) जहां- अक्षत चंदन आदि की व्यवस्था है।

(ग) पलकें बंद कर आंखों को ही मंदिर मानती हैं।

(घ) अपने लघुतम जीवन को ही मंदिर मानती है।

(४) कवयित्री के दीपक- मन में निम्नलिखित में से क्या भरा हुआ है ?

(क) तेल (ख) घी

(ग) स्नेह (घ) मोह

(५) "प्रिय- प्रिय' शब्द में कौन सा अलंकार है?०

(क) पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार

(ख) उपमा अलंकार

(ग) रूपक अलंकार

(घ) मानवीकरण अलंकार

(व्याकरण विभाग)

प्रश्न संख्या (3) निर्देशानुसार सही उत्तर लिखिए- अंक 8 (1*8)

प्रश्न(क) निम्नलिखित शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर लिखिए ।

(1) इतिहास (2) दिन

(ख) 'मोहन सेब खा रहा है' । कौन-सी क्रिया है ?

(ग)" सुभाष बाबू को पकड़ लिया गया और गाड़ी में बैठाकर लाल बाजार लॉकअप में भेज दिया गया।"

इस वाक्य को सरल वाक्य में बदल कर लिखिए।

(घ)"'रूपांतरण' इस शब्द का संधि विच्छेद कीजिए।

(ङ)"निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे।' अर्थ के आधार पर वाक्य पहचान कर लिखिए।

(च)" उसकी कल्पना में वह एक अद्भुत साहसी युवक था ।" वाक्य में रेखांकित पदबंधों का प्रकार बताइए ।

(छ) "वह भागा- भागा वहां पहुंच जाता ।" वाक्य में रेखांकित पदबंधो का प्रकार बताइए ।

(ज) निम्नलिखित सामासिक शब्दों का समास विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए-

(क) लोकप्रिय (ख) राष्ट्रपति

प्रश्न संख्या (4) निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनिए –अंक 5 (1*5)

- विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
  मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
  हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
  मरा नहीं वही कि जो जिया ना आपके लिए।
  वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
  वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।

प्रश्न (क) मनुष्य कैसा प्राणी है?

(1)अमर (2) मरणशील

(3)कृपण (4) इनमें से कोई नहीं।

(ख) कवि ने किसकी मृत्यु सुमृत्यु माना है?

(1) परोपकारी व्यक्ति की
(2) पढ़े लिखे व्यक्ति की
(3) अमीर व्यक्ति की
(4) ज्ञानी की

(ग)कवि ने मनुष्यता के लिए क्या संदेश दिया है?

(1) परोपकार और अच्छे कर्म ही मनुष्यता की पहचान है।
(2) अपना भला करना मनुष्य का काम है।
(3) अपनों का ध्यान रखना मनुष्य का काम है।
(4) ईश्वर का स्मरण करना ही मनुष्य का काम है।

(घ)उदार व्यक्ति की पहचान कैसे हो सकती है?

(1) उसके चेहरे से
(2) उसके महंगे कपड़ों से
(3) उसकी गाड़ी और बंगले से
(4) उसके परोपकारी एवं विनम्र व्यवहार से

(ड) उपर्युक्त काव्यांश के कवि का नाम क्या है?

(1) मैथिलीशरण गुप्त (2) जयशंकर प्रसाद

(3) महादेवी वर्मा (3) सियारामशरण गुप्त

प्रश्न संख्या (5) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प चुनिए- अंक 5 (1*5)

- अभिनय के दृष्टिकोण से 'तीसरी कसम' राजकपूर की जिंदगी की सबसे हसीन फिल्म है। राजकपूर जिन्हें समीक्षक और कला मर्मज्ञ आंखों से बात करने वाला कलाकार मानते हैं, 'तीसरी कसम' में मासूमियत के चरमोत्कर्ष को छूते हैं। अभिनेता राज कपूर जितनी ताकत के साथ 'तीसरी कसम' में मौजूद है, उतना ' जागते रहो' में भी नहीं। 'जागते रहो' में राज कपूर के अभिनय को बहुत सराहा गया था, लेकिन 'तीसरी कसम' वह फिल्म है जिसमें राज कपूर अभिनय नहीं करता। वह हीरामन के साथ एकाकार हो गया है।

- प्रश्न (क) कला समीक्षक और कला मर्मज्ञ राजकपूर को कैसा कलाकार मानते हैं?

(1) अनाड़ी कलाकार (2) अनभिज्ञ कलाकार

(3) आंखों से बात करने वाला कलाकार (4) अधिक पैसे लेने वाला कलाकार

(ख) 'तीसरी कसम' फिल्म में गाड़ीवान हीरामन का अभिनय किसने किया है?

(1) शम्मी कपूर (2) रणबीर कपूर

(3) शशि कपूर (4) राज कपूर

(ग) राज कपूर की जिंदगी की सबसे हसीन फिल्म कौन- सी है?

(1) बरसात (2) अनाड़ी

(3) जागते रहो (4) तीसरी कसम

(घ) 'तीसरी कसम' फिल्म में नायक और नायिका का नाम क्या है?

(1) हीरामन और हीराबाई (2) होरी और धनिया

(3) मोती और मोतीबाई। (घ) रानी और रघुवंश

(ड) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं?

(1) प्रेमचंद (2) सीताराम केसरिया

(3) प्रहलाद अग्रवाल (4) हबीब तनवीर

खंड 'ब'

प्रश्न संख्या (6)पूरक पाठय पुस्तक संचयन भाग 2 से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। अंक 4 (1*4)

प्रश्न. (क) हरिहर काका के पास अपनी कितनी जमीन थी?

(ख) मास्टर प्रीतम चंद कौन -सा विषय पढ़ाते थे ?

(ग) हेड मास्टर शर्मा जी ने प्रीतमचंद पीटी मास्टर को क्यों मुअत्तल कर दिया?

(घ) मुअत्तल होने के बाद मास्टर प्रीतमचंद किससे मीठी-मीठी बातें करते थे?

प्रश्न संख्या (7) पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग 2 से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

* रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए- अंक 5 (1*5)

(क) * मोर मुकुट पीतांबर सौहे, -------------------।

बिन्दरावन ---------------------------- मुरली वाला ।।

(ख) जपमाला, छापै--------------कामु

मन काचै---------------------रामु।।

(ग) बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में----------------वर्ष बड़े थे।

(घ) आज न ततांरा है न वामीरो किंतु उनकी यह ---------घर-घर में सुनाई जाती है।

(ड.) कुरान के सुलेमान को बाइबिल में-----------नाम से जानते हैं।

प्रश्न संख्या 8) संदेश लेखन - अंक -3 (1*3)

(क) संदेश को बॉक्स के भीतर नहीं लिखना चाहिए। (सत्य /असत्य)

(ख) संदेश रचनात्मक और सृजनात्मक नहीं होना चाहिए । (सत्य/ असत्य)

(ग) संदेश लिखते समय दिनांक और समय लिखना आवश्यक होता है। (सत्य /असत्य)

-************************************समाप्त***************”****************